ChalisaPDF

लक्ष्मी जी की आरती

॥ प्रारंभ॥

महालक्ष्मी नमस्तुभ्यं, नमस्तुभ्यं सुरेश्वरि ।

हरि प्रिये नमस्तुभ्यं, नमस्तुभ्यं दयानिधे ॥

पद्मालये नमस्तुभ्यं, नमस्तुभ्यं च सर्वदे ।

सर्वभूत हितार्थाय, वसु सृष्टिं सदा कुरुं ॥

ॐ जय लक्ष्मी माता, तुमको निस दिन सेवत |
मैया जी को निस दिन सेवत, हर विष्णु विधाता ||

ॐ जय लक्ष्मी माता ||

उमा रमा ब्रम्हाणी, तुम ही जग माता |
सूर्य चन्द्र माँ ध्यावत, नारद ऋषि गाता ||

ॐ जय लक्ष्मी माता ||

दुर्गा रूप निरंजनी, सुख सम्पति दाता |
जो कोई तुम को ध्यावत, ऋद्धि सिद्धि धन पाता ||

ॐ जय लक्ष्मी माता ||

तुम पाताल निवासिनी, तुम ही शुभ दाता |
कर्म प्रभाव प्रकाशिनी, भव निधि की दाता ||

ॐ जय लक्ष्मी माता ||

ChalisaPDF.in

जिस घर तुम रहती तहँ सब सदगुण आता |
सब सम्भ्नव हो जाता, मन नहीं घबराता ||

ॐ जय लक्ष्मी माता ||

तुम बिन यज्ञ न होता, वस्त्र न कोई पाता |
खान पान का वैभव, सब तुम से आता ||

ॐ जय लक्ष्मी माता ||

शुभ गुण मंदिर सुन्दर, क्षीरोदधि जाता |
रत्न चतुर्दश तुम बिन, कोई नहीं पाता ||

ChalisaPDF.in

ॐ जय लक्ष्मी माता ||

महा लक्ष्मीजी की आरती, जो कोई जन गाता |
उर आनंद समाता, पाप उतर जाता ||

ॐ जय लक्ष्मी माता ||

ॐ जय लक्ष्मी माता, मैया जय लक्ष्मी माता ।
तुमको निसदिन सेवत, हर विष्णु विधाता ॥

ॐ जय लक्ष्मी माता ||

॥ इति॥